Hindi

24/24

उत्तर

(1) (C) पानी
(2) (C) पक्षी
(3) (A) श्री कृष्ण की
(4) (C) स्वर्ग
(5) (A) वन की कंटीली झाड़ी में
(6) (A) जलोधि
(7) (A) शहर से दूर किसी बगीचे में
(8) (C) अग्रदूत
(9) (B) कश्मीर को
(10) (C) देवपति
(11) (C) राम भजन
(12) (B) बाज
(13) (D) दिनकर
(14) (D) केश
(15) (B) हिमाचल
(16) (D) पं. बुद्धिराम
(17) (C) प्रेमचन्द
(18) (B) केश
(19) (A) ईमानदारी
(20) (C) दन्तुक
(21) (B) पूना
(22) (C) चीनी
(23) (A) अणु
(24) (C) श्री सोमदेव
(25) (A) कुन्दन
(26) (C) अविनाश
(27) (C) दो हजार
(28) (C) डेकन
(29) (B) सोना
(30) (A) सुदर्शन
(31) (A) शुरुआत - आरंभ
(32) (C) झाड़ी
(33) (A) जमा - खर्च
(34) (B) निरभिमान

(35) (B) संसार = सं + सार
(36) (A) वि + आकुल
(37) (D) तत्पुरुष
(38) (A) अव्ययीभाव
(39) (D) स्वर्गीय
(40) (D) गाँव - गँवार
(41) (C) रक्षा - रक्षक
(42) (B) प्रेम - प्रेमी
(43) (A) औचित्य
(44) (A) साहस
(45) (B) भौंरा
(46) (C) अवर्णनीय
(47) (B) दुःखी होना
(48) (D) आग - बबूला हो जाना
(49) (B) कथनी और करनी में अंतर होना
(50) (C) नाम बड़े और दर्शन छोटे

SA-2

उत्तर (014) हिन्दी धी -10

विभाग - अ

उत्तर

* दो-तीन वाक्यों में उत्तर (पद्य) (4)

1) अमूल्य वस्तु - खर्च नहीं होता - चोर चुरा नहीं सकता - रोज-रोज सवाई वृद्धि होती है।

2) कश्मीर में अनेक झीलें और सरोवर - सुंदर नावों में सैलानियों द्वारा नौकाविहार - नावें कश्मीर की पहचान है।

अथवा

2) भारत में करोड़ों लोग रहते है। इन करोड़ों लोगों की स्वरधारा है - "भारतवर्ष हमारा है"

* पाँच-छः वाक्यों में उत्तर (3)

3) पेड़ से लगाव - पहले वह हराभरा और सुंदर था - वह तोते का जन्मस्थान था - उसकी डाली-डाली तोते को प्राणों से भी प्यारी थी। उसी पेड़ पर तोते ने डेरा सँभाला। बोलने-फुदकने और उड़ने की शिक्षा उसी पर पाई - शीतल छाया पाई - सुख-दुःख का साथी - सुख, संतोष और शांति की प्राप्ति के कारण अत्यधिक लगाव।

अथवा

3) श्री कृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा - समर्पण भाव - कृष्ण के ग्वाल रूप के दर्शन के लिए वे तीनों लोकों का राज्य न्यौछावर करना चाहते है। उनकी तरह गायों को चराना - इसी सुख के सामने आठ सिद्धि और नौ निधियों का सुख भी तुच्छ मानना - ब्रज के वन, कुंज और पेड़-पौधों का दर्शन के लिए बैचेन - ब्रज की कँटीली झाड़ियों को भी सोने से बने महलों से अधिक मूल्यवान मानना - उसके सामने वे करोड़ों सोने के महलों को न्यौछावर करना चाहते हैं।

* आशय स्पष्ट कीजिए (3)

4) मानव शरीर में भाल - कपाल सबसे महत्वपूर्ण अंग - हिमालय भी सबसे ऊँचा और बड़ा पर्वत - इसलिए भारत का सिर कहा जाता है - भाल कहा जाता है। हिमालय भारत का गौरव

तरह-तरह की बदनामियाँ सहनी - लाज-शर्म को तिलांजलि सर्वस्व तजकर रामनाम रूपी अमूल्य पूँजी पाई जो जन्म जन्मांतर के लिए है।

* दो-तीन वाक्य में उत्तर (गद्य) (4 *

(5) जब घरवाले उनकी इच्छा के विपरित काम करते - भोजन का समय टल जाता - भोजन की मात्रा कम होती - वानी से आई चीज न मिलती तो रोती थी। (8)

(6) दन्तुल उज्जयिनी का राजपुरुष था - उसके बाण से हरिणशावक घायल हुआ था - वह हरिणशावक अपनी जान बचाने के लिए कालिदास की गोद में आ गया - कालिदास उसे मल्लिका के घर ले गए। हरिणशावक के टपकते खून के निशानों के सहारे दन्तुल अपने शिकार को खोजते हुए मल्लिका के घर पहुँचा। (8

अथवा

(6) बिन्दू ने कमरे में नीचे पड़ी हुई मेवा उठा ली थी। पर उसे वह दुनिया का बहुत बड़ा पाप लगा। अपने इस दोष का पश्चाताप भूखा-प्यासा एकांत में एक कमरे मुँह छिपाकर पड़ा रहकर किया।

* चार-पाँच वाक्यों में उत्तर (3

(7) लाला सदानंद ने अलबम के लिए पत्रिकाओं से अच्छी तसवीरें छाँटने के लिए कहा - पर उन्हें प्रयत्न की सफलता पर अविश्वास - लेकिन सौ-दो सौ बढ़िया चित्र जमा हो गए तो वे उछल पड़े। जैसे एक-एक चित्र दस-दस का नोट हो। भविष्य की अच्छी कल्पना करते हुए खुशी से झूमने लगा।

अथवा

(7) पादरी ने कहा - तुम लोग अपने काम में गर्व नहीं ... कथनी और करनी में अंतर है। नौकरी की दरख्वास्त अति-शयोक्ति पूर्ण शब्दों में - पर नौकरी मिलते ही अपनी ... को खराब समझना - अन्य साथियों से मिलकर काम खराब करना - षडयंत्र रचना - मालिक को परेशान ...

में और नौकरी मिलने पर निष्ठा और लगन से काम करना - तुम इस पर ध्यान नहीं देते।

* आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

(8) कविता केवल शब्द को समूह न होकर हृदय की सुंदर भावना भी होती है। कवि अपने मन के भावों को सुंदर रूप से शब्दों के माध्यम से कागज़ पर लिखता है। उसमें कवि की भावना-संवेदना की छाप दिखती है, इसलिए कविता आत्मा की कला और संवेदना का सौंदर्य होती है।

अथवा

(8) जीवन में धन जरूरी है - धन से सुख-सुविधा की प्राप्ति - ऐशो-आराम की जिंदगी - पर धन का दोष भी - मनुष्य की तृष्णा बढ़ती है - धन एकत्र करने में छूट जाना - शांति गायब - अशांत मन - धन के पीछे पागल - इसलिए...

विभाग - ब

* पत्रलेखन (5)

5, आनंद नगर, शाहपुर,
अहमदाबाद - 380001
दिनांक :- 18-11-2018

प्रिय मित्र चेतन,

सप्रेम नमस्कार।

कई दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं। खैरियत तो है न? मैं यहाँ कुशल हूँ, तुम भी मजे में होगे ऐसी आशा करता हूँ। आज मैं तुम्हें वृक्षों का महत्व बताने जा रहा हूँ। वृक्ष हमारे लिए वरदान हैं। वृक्षों से हमें रोज़-बरोज़ की उपयोगी चीजवस्तुएँ तो मिलती हैं ही, साथ ही पर्यावरण को स्वस्थ रखने में भी वृक्षों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वृक्ष हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, प्रदूषण को मोटे तौर पर कम करने में भी वृक्ष उपयोगी हैं। इसलिए मेरी तुमसे अपेक्षा है कि तुम भी वृक्षों के संवर्धन और संरक्षण के लिए खुद भी कार्य करोगे और दूसरों को भी इस

में जीडीजी।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। छोटी को मेरा ढेर सारा प्यार।

तुम्हारा मित्र,
रवि शास्त्री।

10) ई-मेल (3)

ई-मेल का अर्थ है - इलेक्ट्रॉनिक मेल। इसमें दो कम्प्यूटर युजर्स के बीच संदेश व्यवहार की प्रक्रिया होती है। 1960 से 1970 तक संदेश व्यवहार की इस प्रक्रिया में काफी सुधार हुए है। आज यह ई-मेल के नाम से जानी जाती है।

यह प्रक्रिया इन्टरनेट के माध्यम से होती है। पहले दोनों कम्प्यूटर युजर्स होना जरूरी था। पर आज इसमें स्टोर, फॉर्वर्ड मोडेल के आधार पर काम होता है। ई-मेल सर्वर संदेश का स्वीकार, फॉर्वर्ड और उसे डिलिवर करते हैं तथा स्टोर करते है। आज संदेश भेजनेवाला या पानेवाला कम्प्यूटर का ऑन लाईन होना जरूरी नहीं है।

विभाग - क

12) मानव ने पुस्तक का आरंभ अनुभव से प्राप्त ज्ञान को विस्मृति से बचाने के लिए किया था। (1)

13) विकास के आदिकाल में पत्ते, ताड़पत्र, कास्यपत्र आदि साधन इस ज्ञान संग्रह के साधन थे। (1)

14) पुस्तकों से हमें प्राचीन वीरों, महात्माओं, ऋषियों, नाटककारों तथा कवियों आदि की जानकारी मिलती है। (1)

15) उचित शीर्षक : पुस्तकों का महत्व / पुस्तक का महत्व बतानेवाला कोई भी शीर्षक हो सकता है। (1)